The support provided by various S & Tdepartments|agencies for sponsoring R&D projects is only about 5 per cent of the total resources used for S&T activities in the country. During the 7th Five Year Plan (1985-1990), these S&T agencies|organisations had spent about Rs. 500 Crores on such R&D projects. The number of projects supported is approximately 5000.

The various Science & Technology departments have extramural R&D funding programmes to promote specific R&D projects according to their allocation of business. These R & D projects are processed in consultation with the other concerned technical departments wherever necessary, to avoid duplication of efforts. In many cases, projects are transferred to the concerned technical departments. More recently, the Department of Science and Technology has also established a mechanism called "Inter Agency Committee on Management of R&D Funding" which meets frequently to discuss the common concerns relating to R&D projects etc. of all the technical departments, with the overall objective of evolving an integrated approach to promiting R&D activities. In addition, as a part of the National Management Information System Programme, a complete data base of extramural R&D projects supported by all the technical departments is maintained to avoid duplication of efforts.

स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड को पंखों की उत्पादन क्षमता

1603. **श्री सिकन्दर बख्त :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्तमान में स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड की पंखों की उत्पादन क्षमता कितनी है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वी० के० थुंगन) : एस० आई० एल० की दिल्ली स्थित इकाई में पंखों के उत्पादन की अधिष्ठापित क्षमता 60,000 नग प्रति वर्ष है ।

कैंटीन स्टोर्स-विभाग द्वारा पंखों की खरीद

1604. **श्री सिकन्दर बख्त :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान कैंटीन स्टोर्स विभाग द्वारा खरीदे गए पंखों के संबंध में ब्यौरा क्या है और उन विभिन्न कम्पनियों के नाम क्या-क्या हैं जिनसे इन पंखों को खरीदा गया था और प्रत्येक कम्पनी से किस-किस मूल्य पर कितने-कितने पंखे खरीदे गए थे ;

(ख) इन पंखों को खरीदे जाने के लिए कौन-कौन से मानदण्ड अपनाए गए हैं ;

(ग) क्या विभाग को इस बात की जानकारी है कि उद्योग मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र का एक उपक्रम स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड भी पंखों का निर्माण करता है ; यदि हां, तो स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड से पंखों के न खरीदे जाने के क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या पिछले कई वर्षों से स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड निरन्तर कैंटीन स्टोर्स विभाग से अपने पंखों की आपूर्ति के लिए आर्डर प्राप्त करने के लिए उनको आवेदन करता रहा है ; यदि हां, तो उसे कब तक आर्डर दे दिया जायेगा ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) एक विवरण संलग्न है ।

(ख) कैंटीन स्टोर विभाग से यूनिटों द्वारा चलाई जा रही कैंटीनों को पंखों सहित जिस किसी नई मद या ब्राण्ड/मॉडल को बेचने के लिए दिया जाता है उसे विस्तृत रूप से निर्धारित मानदण्ड पूरे करने होते हैं और ये मानदण्ड मुख्यत: सामान की लोकप्रियता, आपूर्तिकर्त्ता की हैसियत और प्रतिष्ठा, सामान की गुणता, बिक्री के बाद उस मद की सेवा अच्छी बनी रहे इसके लिए की गई व्यवस्था, उस सामान की अनिवार्यता, ग्राहकों की संख्या, कैंटीन स्टोर विभाग में उपलब्ध सामानों से

उसकी अनुरूपता, मूल्य और अन्य प्रोत्साहनों आदि से संबंधित है ।

(ग) और (घ) मैसर्स स्कूटर इंडिया लिमिटेड "गणेश" ब्राण्ड के पंखे तैयार करता है जिन्हें कैंटीन स्टोर विभाग में शामिल किए जाने के लिए उन्होंने जुलाई, 1988 और दिसम्बर, 1989 में आवेदन किया था । पंखों का यह ब्राण्ड कैंटीन स्टोर विभाग में शामिल किए जाने के लिए स्वीकार नहीं किया गया क्योंकि यह नई मदों/ब्राण्डों को शामिल करने के लिए गठित कैंटीन स्टोर विभाग के प्रशासन बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदण्डों को पूरा नहीं कर सका ।

विवरण

कैंटीन स्टोर-विभाग द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान खरीदे गए पंखों का विवरण इस प्रकार है :—

(लाख रुपयों में)

ब्रांड	वर्ष	पंखों की संख्या	कुल खरीद मूल्य
उषा	1988–89	2,67,900	1730.04
	1989–90	1,16,674	783.44
	1990–91	2,35,500	1602.46
ओरिएंट	1988–89	1,76,905	910.71
	1989–90	71,668	403.80
	1990–91	1,82,300	1043.14
बजाज	1988–89	1,01,260	503.63
	1989–90	58,340	299.55
	1990–91	86,000	442.14
पोलर	1988–89	43,100	212.48
	1989–90	21,674	109.47
	1990–91	23,233	119.53
क्रॉम्प्टन	1988–89	36,500	249.62
	1989–90	20,054	170.87
	1990–91	55,734	463.08
खेतान	1988–89	20,000	226.73
	1989–90	8,333	163.10
	1990–91	11,500	244.97
रेलिस	1988–89	60,250	314.70
	1989–90	38,336	211.42
	1990–91	70,200	394.47
केडिया	1988–89	20,833	99.20
	1989–90	8,000	40.30
	1990–91	11,500	56.25
जी ई सी	1990–91	2,000	11.31

पंखों के भिन्न-भिन्न माडलों का मूल्य अलग-अलग है ।